सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	अनिवार्य								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी उपन्यास : गबन एवं व्याकरण								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०४	०१	०५	००	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०५	अनिवार्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण हिन्दी के उपन्यास सम्राट प्रेमचंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को जानें ।
- छात्रगण प्रेमचंद की कलासृजन प्रतिभा का परिचय प्राप्त करें ।
- छात्रगण पाठ्यक्रम कृति के माध्यम से बाह्याडम्बर–वृति को त्याग करें ।
- 'गबन' उपन्यास की कथावस्तु से छात्रों में 'कर्म ही सर्वश्रेष्ठ है' सिद्धांत स्थापित होगा ।
- छात्रगण 'सत्यमेव जयते' सूत्र की प्रासंगिकता समझे ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई–१	प्रेमचंद : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		'गबन' की कथावस्तु				
		उपन्यास कला के आधार पर 'गबन' का मूल्यांकन				
		'गबन' उपन्यास के चरित्रों का चरित्रांकन				
		'गबन' उपन्यास की संवाद–योजना				
	ईकाई–२	'गबन' उपन्यास का परिवेश				
		'गबन' समस्यामूलक उपन्यास के रूप में मूल्यांकन				
		'गबन' उपन्यास के गौण पात्र				
		'गबन' उपन्यास में आदर्श एवं यथार्थ का वर्णन				
		'गबन' उपन्यास की गौण कथाओं का मूल्यांकन				
	ईकाई–३	'गबन' की उपन्यास में व्यक्त स्त्री पुरुष सबंध				
		'गबन' उपन्यास में व्यक्त पात्रों की मन:स्थिति				
		'गबन' उपन्यास में निरूपित सामाजिक व्यवस्था				
		'गबन' उपन्यास में निरूपित महाजनी सभ्यता				
		'गबन' उपन्यास की प्रासंगिकता				
	ईकाई–४	व्यावसायिक पत्र				
		अर्थ विस्तार				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'गबन' उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता – 'गबन' उपन्यास का प्रारंभ – 'गबन' उपन्यास का उद्देश्य – 'गबन' उपन्यास में व्यक्त विभिन्न भ्रष्टाचार – 'गबन' उपन्यास का अन्त – मुनशी दीनदयाल		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : गबन
संपादक : प्रेमचंद
प्राप्ति स्थान : भारती भाषा प्रकाशन, विश्वासनगर, दिल्ली – ३२

संदर्भ ग्रंथ :

१. प्रेमचंदयुगीन भारतीय समाज : डॉ. इन्द्रमोहन सिन्हा – बिहारी हिन्दीग्रंथ अकादमी कदमकुआँ, पटना – ३
२. प्रेमचंद एक विवेचन : डॉ. इन्द्रमोहन सिन्हा – राजकमल प्रकाशन, जैन बाजार, दिल्ली
३. प्रेमचंद का कथा संसार : डॉ. नरेन्द्रमोहन – सरस्वती विहार, जी. टी. रोड, शाहदरा, दिल्ली–३२
४. प्रेमचंद जीवनकला और कृतित्व : हंसराज रहबर – रामलालपुरी संचालक आत्माराम एण्ड सन्स ,रमीशी गेट, दिल्ली – ६
५. प्रेमचंद के उपन्यासों में नायक की परिकल्पना : डॉ. प्रतिभा कोटक – बालवाटिका मणिनगर, अहमदाबाद – ८
६. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यासों में पुरुषणपात्र : दुर्गेशनंदीनी प्रसाद – गीता प्रकाशन, हैदराबाद
७. हिन्दी उपन्यास : उद्‌भव और विकास : डॉ. सुरेश सिन्हा – अशोक प्रकाशन, दिल्ली
८. हिन्दी उपन्यास में कथाशिल्प का विकास : डॉ. प्रतापनारायण टंडन – हिन्दी साहित्य भंडार, गंगाप्रसाद रोड, लखनउ
९. हिन्दी उपन्यास परंपरा और प्रयोग : बिन्धेश्वरीप्रसाद मिश्र – अमर प्रकाशन, पटना – ६
१०. आधुनिक व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद – भारती भवन, पटना
११. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद – भारती भवन, पटना
१२. मानक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. हरिवंश तरूण– प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
१३. हिन्दी भाषा और लिपि : धीरेन्द्र वर्मा – हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद
१४. हिन्दी भाषा का इतिहास : धीरेन्द्र वर्मा – हिन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग
१५. हिन्दी व्याकरण कौमुदी : लोकनाथ द्विवेदी शीलाकारी – साथी प्रकाशन, सागर, मध्यप्रदेश ।
१६. भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ. देवेन्द्र वर्मा – राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
१७. हिन्दी प्रयोग : रामचंद्र वर्मा – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	११								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०१	०५	११	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०५	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण आधुनिक काल की पुन: जागरण मन:स्थिति को विस्तार से समझे ।
- छात्रगण द्विवेदी युगीन सुधारवादी आंदोलन के बारे में विस्तार से समझे ।
- छात्र छायावाद के माध्यम से प्राकृतिक, अलौकिक रहस्यानुभूति महसूस करें ।
- छात्रगण राष्ट्रीय काव्यधारा का पठन करके एकता, बंधुत्व एवं राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत होंगे ।
- छात्र प्रयोगवादी कविता के माध्यम से जन-साधारण की भावना को समझेंगे ।
- छात्रगण प्रयोगवादी कविता के माध्यम से वर्ग संघर्ष की भावना को मिटाकर 'हम सब एक है' संदेश को सार्थक करेंगे ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	आधुनिक काल की परिस्थितियाँ	. इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		आधुनिक काल की साहित्यिक प्रवृतियाँ				
		आधुनिक काल का नामकरण				
		आधुनिक काल-काल सीमा निर्धारण एवं उपविभाजन की समस्या				
		आधुनिक काल 'गद्य काल' के रूप में				
	ईकाई-२	भारतेन्दु युग (पुन:जागरण काल) : प्रमुख साहित्यकार एवं उनकी रचनाएँ				
		भारतेन्दु युग की प्रमुख काव्य-प्रवृत्तियाँ				
		द्विवेदी युग (जागरण, सुधार काल) : प्रमुख साहित्यकार एवं उनकी रचनाएँ				
		द्विवेदी युग की प्रमुख काव्य-प्रवृत्तियाँ				
		छायावाद युग : प्रमुख साहित्यकार एवं उनकी रचनाएँ				
	ईकाई-३	छायावाद की प्रमुख काव्य प्रवृत्तियाँ				
		हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा : प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ				
		हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ				
		हिन्दी की हालावादी काव्यधारा – प्रमुख कवि की रचनाएँ				
		हिन्दी की हालावादी काव्यधारा की प्रमुख साहित्यिक प्रवृतियाँ				
	ईकाई-४	प्रगतिवाद : प्रमुखकवि एवं उनकी रचनाएँ				
		प्रगतिवादी काव्यधारा की प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियाँ				
		प्रयोगवादी काव्यधारा : प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाएँ				
		प्रयोगवादी काव्यधारा की प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियाँ				
		नई कविता के प्रमुख कवि, उनकी रचनाएँ एवं साहित्यिक प्रवृत्तियाँ				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – साठोत्तरी हिन्दी कविता – खड़ी बोली गद्य निर्माता – रहस्यवाद – हिन्दी गीति काव्य – द्विवेदी युगीन प्रबन्ध काव्य – रहस्यवाद की प्रमुख काव्य प्रवृत्तियाँ		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : हिन्दी साहित्य का इतिहास
संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्राप्ति स्थान : वासुकि कृपा ओफसेट, राजकोट

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी साहित्य का सर्वेक्षण (काव्य खण्ड), विश्वम्भर 'मानव', लोकभारती प्रकाशन, इलहाबाद
२. प्रगतिवादी काव्य साहित्य : डॉ. कृष्णलाल 'हंस' मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
३. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेन्द्र – नेशनल पब्लिशींग हाउस, नई दिल्ली
४. हिन्दी और गुजराती कविता में राष्ट्रीय अस्मिता : एक तुलनात्मक अध्ययन : डॉ. एस. पी. शर्मा – शान्ति प्रकाशन, रोहतक
५. हरिवंशराय बच्चन की साहित्य साधना, पुष्पा भारती – वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
६. आधुनिक हिन्दी काव्य, डॉ. भगीरथ मिश्र – डॉ. बलभद्र तिवारी – मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
७. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि : डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना – विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
८. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल – नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
९. नयी कविता और अस्तित्ववाद : रामविलास शर्मा – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
१०. नयी कविता का आत्मसंघर्ष : गजानन माधव मुक्ति बोध – राजकमल प्रकाशन, इलाहाबाद
११. अज्ञेय : सृजन और संघर्ष : राजकमलराय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१२. समकालीन कवि और काव्य : कल्याणचन्द्र – चिन्तन प्रकाशन, कानपुर
१३. लंबी कविताओं का रचना विधान : सं. नरेन्द्रमोहन – दि. मैकमिलकन कंपनी ऑफ इन्डिया लिमिटेड, दिल्ली
१४. कवि धर्म, डॉ. कुंवर चन्द्रप्रकाश सिंह – प्रतिभा प्रतिष्ठापन, नयी दिल्ली
१५. साठोत्तरी कविता : विद्रोही प्रतिमान : रत्नाकुमार पाण्डेय – अनंग प्रकाशन, दिल्ली
१६. हिन्दी के निर्माण : कुमुद शर्मा – भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली
१७. प्रमुख खंड काव्यों में आधुनिकता बोध : डॉ. आलोक मिश्र – विकास प्रकाशन, कानपुर
१८. कविता की जमीन और जमीन की कविता : डॉ. नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
१९. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. बी. के. कलासवा – भगवती प्रकाशन, राजकोट
२०. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल अबतक : डॉ. स्मिता सी. पटेल – शान्ति प्रकाशन

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	१२								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	साहित्य सिद्धांत – १								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०१	०५	१२	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०५	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण प्राचीन एवं नवीन साहित्य-अंगों का परिचय प्राप्त करें ।
- छात्रगण साहित्य स्वरूपों को विस्तार से जानें ।
- छात्रगण भारतीय काव्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धांतों को जानें ।
- छात्रों में काव्य-रूपों की जानकारी से साहित्यिक रागात्मक चेतना परिष्कार होगी ।
- छात्रगण साहित्य-स्वरूपों की आपसी तुलना करें ।
- छात्रों में साहित्यिक स्वरूपों की जानकारी से सृजनात्मक प्रतिभा का विकास होगा ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	साहित्य : परिभाषा एवं स्वरूप	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		साहित्य और समाज				
		साहित्य और विज्ञान				
		साहित्य और कल्पना				
	ईकाई-२	साहित्य और शैली				
		काव्य लक्षण				
		काव्य हेतू				
		काव्य प्रयोजन				
	ईकाई-३	काव्य के प्रकार				
		शब्द शक्ति				
		रस-सिद्धांत				
		अलंकार-सिद्धांत				
	ईकाई-४	रीति-सिद्धांत				
		ध्वनि- सिद्धांत				
		वक्रोक्ति सिद्धांत				
		औचित्य – सिद्धांत				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – काव्यगुण – साधारणीकरण – श्रव्य काव्य – महाकाव्य – काव्य दोष – दृश्य काव्य – प्रबंध काव्य – खण्डकाव्य		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. साहित्य-विवेचन : क्षेमचन्द्र, 'सुमन', योगेन्द्र कुमार मल्लिक – आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली
२. काव्य के रूप : गुलाबराय – आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली
३. काव्य गुणों का शास्त्रीय विवेचन : डॉ. शोभाकान्त मिश्र – बिहारी हिन्दी ग्रंथ, अकादमी, पटना
४. काव्यांगिनी : प्रेम प्रकाश गौतम – राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
५. काव्य तत्व-विमर्श : डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी – कोणार्क प्रकाशन, दिल्ली
६. काव्य-मनीषा : डॉ. भगीरथ मिश्र – हिन्दी समिति, सूचना विभाग, लखनउ
७. साहित्यकार की सामाजिक चेतना : डॉ. शैलेश के. मेहता – वासुकि प्रकाशन, राजकोट
८. अवगाहन : डॉ. गिरीशचन्द्र जे. त्रिवेदी – प्रणव प्रकाशन, राजकोट
९. कविता की जमीन और जमीन की कविता : डॉ. नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
१०. साहित्य का श्रेय और प्रेय : जैनेन्द्रकुमार – पूर्वोदय प्रकाशन, नयी दिल्ली
११. कविता के नए प्रतिमान : डॉ. नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
१२. काव्य का वैष्णव व्यक्तित्व : श्री नरेश मेहता – लोकभारती प्रकाशन, इलहाबाद
१३. विद्यादर्श : सं. डॉ. कपील त्रिवेदी : डॉ. बी. जे. पटेल – श्रीमती जे. सी. धानक महाविद्यालय, बगसरा
१४. भारतीय काव्य-शास्त्र के सिद्धांत : डॉ. सुरेश अग्रवाल – डॉ. जगदीश शर्मा, अशोक प्रकाशन, दिल्ली
१५. साहित्यिक निबंध : डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१६. बृहत् भारतीय तथा पाश्चात्य काव्य-शास्त्र : डॉ. सुरेश अग्रवाल – डॉ. जगदीश शर्मा – अशोक प्रकाशन, दिल्ली
१७. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ. कृष्णदेव शर्मा – विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
१८. साहित्य के सिद्धांत : डॉ. कैलाश उपाध्याय – साधना प्रकाशन, कानपुर

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	१३								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी भाषा का स्वरूप एवं विकास								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०१	०५	१३	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०५	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- पाठ्यक्रम से संबंधित छात्र हिन्दी भाषा की व्युत्पत्ति के बारे में जानें ।
- छात्रगण 'हिन्दी' शब्द का व्युत्पत्तिपरक इतिहास समझें ।
- छात्रगण संसार की भाषाओं का वर्गीकरण विस्तार से समझें ।
- छात्रगगण अपभ्रंश, पुरानी हिन्दी, डिंगल-पिंगल के आपसी भेद को समझें ।
- छात्रगण खड़ीबोली (राष्ट्रभाषा) के विकास-क्रम को विस्तार से जानें ।
- छात्रगण राजभाषा के संसदीय अनुच्छेद को विस्तार से जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	**भारतीय आर्य भाषाएँ : उद्भव एवं विकास :** – प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ – मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ – आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		अपभ्रंश, अवहट्ट, पूरानी हिन्दी, डिंगल-पिंगल				
		हिन्दी भाषा और उसकी बोलियाँ				
		हिन्दी शब्द : नामकरण				
	ईकाई-२	हिन्दी भाषा के विभिन्न रूप				
		हिन्दी शब्द भण्डार				
		संज्ञा : परिभाषा एवं भेद				
		लिंग : अर्थ, परिभाषा एवं भेद				
	ईकाई-३	वचन : अर्थ, परिभाषा एवं भेद				
		कारक : अर्थ, परिभाषा एवं भेद				
		सर्वनाम : अर्थ, परिभाषा एवं भेद				
		विशेषण : अर्थ, परिभाषा एवं भेद				
	ईकाई-४	क्रिया : अर्थ, परिभाषा एवं भेद				
		वाच्य : अर्थ, परिभाषा एवं भेद				
		काल : अर्थ, परिभाषा एवं भेद				
		अव्यय : परिभाषा एवं भेद				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – हिन्दी भाषा क्षेत्र – स्वराघात – प्रयोजनमूलक हिन्दी – खडीबोली हिन्दी – भाषा और विभाषा		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. आधुनिक भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी – भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली
२. भाषा विज्ञान : सैद्धांतिक चिंतन : डॉ. श्री वास्तव
३. हिन्दी भाषा का स्वरूप एवं विकास : भालोडिया मितल – पेरेडाईझ पब्लिशर्स, सतलंज पथ, तारानगर–ए, झोतवारा, जयपुर
४. मानक हिन्दी : स्वरूप और संरचना : डॉ. रामप्रकाश – राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
५. हिन्दी भाषा का इतिहास : डॉ. भोलानाथ तिवारी – वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
६. हिन्दी और उसकी उपभाषाएँ : डॉ. वमलेश कॉति शर्मा – भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली
७. हिंदी भाषा की सामाजिक संरचना : डॉ. भोलानाथ तिवारी – साहित्य सहकार, दिल्ली
८. हिन्दी–भाषा : रूप–विकास : डॉ. सरनामसिंह शर्मा 'अरूण' – चिन्मय प्रकाशन, जयपुर
९. हिन्दी शब्दों की विकास कथा : डॉ. देवेन्द्रकुमार जैन – नीलाम प्रकाशन, इलाहाबाद
१०. भाषा विज्ञान की भूमिका : आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा – राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
११. हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि : डॉ. देवेन्द्रप्रसाद सिंह –जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१२. भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा : रामछबीला त्रिपाठी – किताब महल, इलाहाबाद–१
१३. हिन्दी भाषा : संरचना के विविध आयाम : डॉ. राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	१४								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी नाटक : अंधेर नगरी, रक्षाबंधन								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०१	०५	१४	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०५	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्र हिन्दी नाट्य-परम्परा को विस्तार से जानें ।
- छात्रगण हिन्दी नाटक की विकास प्रक्रिया में भारतेन्दु के योगदान को जानें ।
- छात्रगण प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से तत्कालीन राजनैतिक स्थिति को जानें ।
- भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की राष्ट्रीय भावना को जानें ।
- छात्रगगण हिन्दी नाट्य विकास में गीति नाट्य स्थान स्पष्ट करें ।
- छात्रगण धर्मवीर भारती के व्यक्तित्व के बारे में जानें ।
- छात्रगण महाभारत की दर्दनाक, खौफनाक युद्ध विभिषिका को जानें ।
- छात्रगण 'अन्धायुग' प्रतिकात्मकता को जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		हिन्दी नाट्य साहित्य और भारतेन्दु हरिश्चन्द्र				
		'अन्धेर नगरी' नाटक की कथावस्तु				
		नाट्यकला के आधार पर 'अन्धेर नगरी' का मूल्यांकन				
	ईकाई-२	'अन्धेर नगरी' नाटक के पात्रों का चरित्रांकन				
		'अन्धेर नगरी' नाटक की रंग-परीकल्पना				
		'अन्धेर नगरी' नाटक में युग-बोध				
		'अन्धेर नगरी' नाटक में व्यंग्यात्मक				
	ईकाई-३	हरिकृष्ण प्रेमी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'रक्षाबन्धन' नाटक का कथानक				
		नाटक तत्वों के आधार पर 'रक्षाबन्धन' का मूल्यांकन				
		'रक्षाबन्धन' नाटक के पात्रों का चरित्रांकन				
		'रक्षाबन्धन' नाटक में व्यक्त राष्ट्रीयता				
	ईकाई-४	'रक्षाबन्धन' नाटक की आधुनिकता				
		'रक्षाबन्धन' नाटक में व्यक्त समस्याएँ				
		'रक्षाबन्धन' नाटक में व्यक्त सांस्कृतिकता				
		'रक्षाबन्धन' नाटक की सम-सामायिकता				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप			समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न			२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'अन्धेर नगरी' नाटक के शीर्षक की सार्थकता	– 'रक्षाबन्धन' नाटक की संवाद–योजना	– 'रक्षाबन्धन' नाटक की रंगमंचीयता		०२	०७	१४
	– 'अन्धेर नगरी' नाटक की संवाद–योजना	– 'रक्षाबन्धन' नाटक का परिवेश	– 'रक्षाबन्धन' नाटक में संकलन–त्रय				
	– 'अन्धेर नगरी' नाटक का उद्देश्य	– 'रक्षाबन्धन' नाटक केश शीर्षक की सार्थकता	– 'रक्षाबन्धन' नाटक में हिन्दु–मुस्लिम एकता				
	– 'अन्धेर नगरी' नाटक में संकलन–त्रय	– 'रक्षाबन्धन' नाटक का उद्देश्य	– 'रक्षाबन्धन' नाटक का अन्त				
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)			०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : अन्धेर नगरी
संपादक : भारतेन्दु हरिश्चंद्र
प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

पाठ्य पुस्तक : रक्षाबन्धन
संपादक : हरिकृष्ण प्रेमी
प्राप्ति स्थान : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ :

१. साठोत्तरी हिन्दी के प्रमुख नाटकों में राजनीतिक व्यंग्य : डॉ. मेरगसिंह यादव – मिन्डाश पब्लिकेशन, उरइ, उत्तरप्रदेश
२. प्रसादोत्तर नाट्य–साहित्य : डॉ. विजय बापट – हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
३. भारतेन्दु–युगीन नाटक : डॉ. सुशीला धीर – हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
४. हिन्दी साहित्य की प्रमुख कृति और कृतिकार : डॉ. नरेन्द्र भानावत, अनुपम प्रकाशन, जयपुर
५. आधुनिक हिन्दी नाटक : डॉ. नगेन्द्र – नेशनल पब्लिशींग हाउस, दिल्ली
६. हिन्दी नाटक और नाटककार : डॉ. सुरेशचन्द्र शुक्ल – कु. नीलम मसन्द, पुस्तक संस्थान, कानपुर
७. आधुनिक हिन्दी नाटक : एक यात्रा दशक : नरनारायण राय – भारती भाषा प्रकाशन, दिल्ली
८. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र : रामविलास शर्मा – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
९. भारतेन्दु और नर्मद का तुलनात्मक अध्ययन : डॉ. अरविन्दकुमार देसाई – सरस्वती पुस्तक सदन, आगरा
१०. हिन्दी के रंगमंचीय नाटकों का शिल्प विधान : डॉ. चन्द्रसेन नावाणी – हिन्दी साहित्य परिषद, अहमदाबाद
११. हिन्दी के नाटक शिल्पी : डॉ. शान्ति मलिक – नेशनल पब्लिशींग हाउस, दिल्ली
१२. हिन्दी नाटक पर पाश्चात्य प्रभाव : विश्वनाथ मिश्र – लोकभारती प्रकाशन, नयी दिल्ली
१३. हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ : डॉ. शिवकुमार शर्मा – अशोक प्रकाशन, दिल्ली
१४. अंधेर नगरी : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, सं. ब्रजकुमार मित्तल – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१५. अंधेर नगरी : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, सं. रमेश गुप्ता – कमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	१५								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	प्राचीन हिन्दी काव्य – १ : गोरखबानी, विद्यापति पदावली								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०१	०५	१५	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०५	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण 'नाथ सम्प्रदाय' की दार्शनिक पृष्ठभूमि को विस्तार से जानें ।
- छात्रगण 'गोरखनाथ' के जीवनवृत को समझे ।
- छात्रगण गोरखनाथ एवं मत्सेन्द्रनाथ के परस्पर सम्बन्ध को जानें ।
- छात्रगण 'विद्यापति पदावली' के रस सौंदर्य से अभिभूत होंगे ।
- छात्रगण गोरखनाथ के सामाजिक जागृति, निर्गुण तप–साधना एवं योग साधना को विस्तार से जानें ।
- छात्र आदिकालीन साहित्य को विस्तार से जानें
- छात्रगण विद्यापति के काव्य सौंदर्य को विस्तार से समझे ।
- छात्रगण आदिकालीन भाषा–सौष्ठव को 'विद्यापति पदावली' के माध्यम से जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई–१	नाथ सम्प्रदाय : उद्‌भव एवं विकास	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		नाथ सम्प्रदाय में गोरखनाथ का स्थान				
		गोरखनाथ : व्यक्तित्व, कृतित्व एवं विचारधारा				
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'गोरखवाणी' का मूल्यांकन				
		गोरखनाथ का हठयोग				
	ईकाई–२	गोरखनाथ का उपदिष्ट योग–मार्ग				
		गोरखनाथ की साधना–पद्धति				
		गोरखनाथ की सहज–साधना				
		गोरखनाथ के दार्शनिक विचार				
		गोरखनाथ की सामाजिक चेतना				
	ईकाई–३	'गोरखबानी' में व्यक्त संदेश				
		विद्यापति : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'विद्यापति पदावली' का हिन्दी साहित्य में स्थान				
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'विद्यापति पदावली' का मूल्यांकन				
		गीतिकाव्य परंपरा और विद्यापति				
	ईकाई–४	मुक्तकाव्य परंपरा और विद्यापति				
		'विद्यापति पदावली' में यौवन, श्रृंगार एवं प्रकृति चित्रण				
		'विद्यापति पदावली' की काव्यगत विशेषताएँ				
		'विद्यापति पदावली' में विरह वर्णन				
		'विद्यापति पदावली' में प्रेम निरूपण				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – गोरखनाथ का ब्रह्मविचार – भक्त कवि विद्यापति – गोरखनाथ के माया विषयक विचार – 'विद्यापति पदावली' की भाषा शैली – गोरखनाथ की भाषा – विद्यापति की राधा – गोरखनाथ की निर्गुण उपासना – 'विद्यापति पदावली' की रस योजना		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : गोरखवाणी
संपादक : पिताम्बर बडदवाल
प्राप्ति स्थान : जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

पाठ्य पुस्तक : विद्यापती पदावली
संपादक : रामवृक्ष बेनीपुरी
प्राप्ति स्थान : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

संदर्भ ग्रंथ :

१. गोरख–बानी : डॉ. पीताम्बरदत्त बडवाल – हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
२. गोरक्ष–सिद्धांत–संग्रह : रामपाल श्रीवास्तव – गोरखनाथ मन्दिर, गोरखपुर
३. श्री गोरखनाथ चरित्र : डॉ. चमनलाल गौतम – संस्कृति संस्थान, बरेली
४. नाथ–साम्प्रदाय : हजारीप्रसाद द्विवेदी – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
५. श्री नाथ चरित : श्री वीरनाथजी – गुरू गोरक्षनाथ मन्दिर अखाडा, हरिद्वार
६. विद्यापति : डॉ. त्रिभुवननाथ शुक्ल – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
७. विद्यापति की काव्य–साधना : देशराजसिंह भाटी, हिन्दी साहित्य संसार, दिल्ली
८. विद्यापति : डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
९. विद्यापति पदावली : सं. डॉ. सुरेन्द्रनाथ दीक्षित, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१०. विद्यापति : अनुशीलन एवं मूल्यांकन : संपा. डॉ. वीरेन्द्र श्रीवास्तव, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना
११. हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास : हजारीप्रसाद द्विवेदी – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
१२. हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारीप्रसाद द्विवेदी – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
१३. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
१४. संत–साहित्य के प्रेरणा–स्रोत : परशुराम चतुर्वेदी – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
१५. निर्गुण साहित्य : सांस्कृतिक पृष्ठभूमि : डॉ. मोतीसिंह – नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
१६. निर्गुण संतो के स्वप्न : डेविड एन. लोरेंजन – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
१७. सार सार को गहि रहै, थोथा देई उडाय : डॉ. शैलेश के. मेहता – बालाजी फेण्ड्स ग्रुप, राजकोट
१८. कबीर का काव्य और नाडी–तंत्र : डॉ. शैलेश के. मेहता –वासुकि प्रकाशन, राजकोट
१९. वीर काव्य सं. : सं. उदयनारायण तिवारी – भारती–भण्डार, इलाहाबाद
२०. कीर्तिलता और अवहट्‌ठ भाषा : डॉ. शिवप्रसाद सिंह – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
२१. गोरक्ष पद्धति – अनु. पण्डित महेश्वर शर्मा

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	१६								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी निबंध साहित्य : निबंध मंजूषा								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०१	०५	१६	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०५	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- पाठ्यक्रम संबंधित छात्र हिन्दी निबंध का स्वरूप एवं विकास जानें ।
- छात्रगण हिन्दी निबंधकारों की निबंध–सृजन प्रक्रिया को समझें ।
- छात्रगण पाठ्यक्रम के निबंधों का अभिप्राय समझें ।
- प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अध्ययन से संदर्भित छात्रों में निबंध–लेखन प्रतिभा का विकास होगा ।
- छात्रगण पाठ्यक्रम के निबंधों के माध्यम से लेखक के उपदेश एवं आत्म–व्यंजना को जानें ।
- छात्रगण निबंधकार के निबंधों के माध्यम से लेखक के विचार, अनुभूति एवं लालित्यपूर्ण शैली को जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई–१	हिन्दी निबन्ध : स्वरूप एवं विकास	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		'पाँचवें (चूसा) पैग़म्बर' का कथासार				
		'चारू–चरित्र' का निबंध–कला की दृष्टि से मूल्यांकन				
		'घोखा' निबंध में व्यक्त प्रतापनारायण मिश्र की वैचारिकता				
	ईकाई–२	'नालंदा का विश्वविद्यालय' निबंध में व्यक्त शिक्षा–प्रणाली				
		'सभ्यता के आवरण और कविता' निबंध में आचार्य शुक्ल की साहित्य–सृजनदृष्टि				
		निबंधकार के रूप में आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी का मूल्यांकन				
		'रवीन्द्रनाथ के राष्ट्रीय गान' में व्यक्त राष्ट्रीय भावना				
	ईकाई–३	'घुमक्कड धर्म' निबंध में व्यक्त राहुल सांकृत्यायन की वैचारिकता				
		'साहित्य और जीवन' में निरूपित नन्ददुलारे बाजपेयी की आलोचना दृष्टि				
		'जनतंत्र का खोखलापन' निबंध का सारांश				
		'पहिला सफेद बाल' में हरिशंकर परसाई की वैचारिकता				
	ईकाई–४	'मेरा रूमाल खो गया' निबंध का कथ्य एवं शिल्प				
		'कछुआ धर्म' निबंध का सारांश				
		'निबंध मंजूषा' निबंध–संग्रह के निबंधों की वैचारिकता				
		'निबंध मंजूषा' निबंध–संग्रह के निबंधों में व्यक्त भारतीय संस्कृति				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'पाँचवें (चूसा) पैगम्बर' निबंध का शीर्षक – 'जनतंत्र का खोखलापन' निबंध का उद्देश्य – 'चारू–चरित्र' निबंध का उद्देश्य – 'पहिला सफेद बाल' निबंध में व्यक्त व्यंग्यात्मकता – 'घोखा' निबंध की भाषा–शैली – 'मेरा रूमाल खो गया' निबंध का उद्देश्य – 'घुमक्कड धर्म' निबंध का शीर्षक – 'कछुआ धर्म' निबंध का शीर्षक		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ **नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।**
★ **बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।**
★ **नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।**
★ **बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।**
★ **नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।**

पाठ्य पुस्तक : निबंध मंजूषा
संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्राप्ति स्थान : पार्श्व पब्लिकेशन, अहमदाबाद

संदर्भ ग्रंथ :

१. साहित्य–सहचर : हजारीप्रसाद द्विवेदी – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
२. हिन्दी ललित निबन्ध : परंपरा एवं प्रयोग : वेदवती राठी – पाठक प्रकाशन, अलीगढ
३. हिन्दी गद्य के विविध साहित्य–रूपों का उद्‌भव और विकास : डॉ. बलवन्त लक्ष्मण कोतमिरे –किताब महल, दिल्ली
४. हिन्दी साहित्य में निबन्ध और निबन्धकार : डॉ. गंगाप्रसाद गुप्त – रचना प्रकाशन, इलाहाबाद
५. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व : डॉ. पी. वासवदत्ता – युगवाणी प्रकाशन, इलाहाबाद
६. साहित्यकार और चिन्तक आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी : डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी – हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद
७. आधुनिक साहित्य : सृजन और समीक्षा : आचार्य नन्ददुलार वाजपेयी – दि मैकमिलन कंपनी
८. प्रेमचन्द के निबन्ध–साहित्य में सामाजिक चेतना : अर्चना जैन – इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली
९. हजारीप्रसाद द्विवेदी के सर्जनात्मक साहित्य : डॉ. सुधीर चौहान – शिवालीक प्रकाशन, दिल्ली
१०. हजारीप्रसाद द्विवेदी के निबंध और भारतीय संस्कृति के तत्व : डॉ. शैलेश के. मेहता – लायन्स क्लब, धोराजी
११. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के साहित्य में सौंदर्य और प्रेम : डॉ. चन्द्रशेखर मालवीय – ज्ञान प्रकाशन, कानपुर
१२. हिन्दी साहित्य : रचना के आलोचना तक : डॉ. शैलेश के. मेहता – के. एस. पब्लिकेशन, भोपाल
१३. चिन्तामणी : रामचन्द्र शुक्ल – प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली
१४. ठेले पर हिमालय : धर्मवीर भारती – भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नयी दिल्ली
१५. निबंधमाला : डॉ. स्मिता सी. पटेल – शान्ति प्रकाशन, अहमदाबाद